Roll No. ....

17106

B.Ed. 1st Year (Two Years) Examination–June, 2016

PEDAGOGY OF SANSKRIT

Paper : IV AND V Gr. A Opt (iii)

Time : 3 hours *Max. Marks : 80*

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उनको पूर्ण एवं सही प्रश्न पत्र मिला है। परीक्षा के उपरान्त इस संबंध में कोई भी शिकायत नहीं सुनी जायेगी।

नोटः प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए :

(अ) संस्कृत भाषा शिक्षण के उद्देश्य (4)

(ब) सूक्ष्म एवं विस्तृत पाठ योजना में अन्तर (4)

(स) संस्कृत पद्य शिक्षण के उद्देश्य (4)

(द) संस्कृत शिक्षण में गृह-कार्य का नियोजन (4)

इकाई-I

2. संस्कृत भाषा का साहित्यिक महत्व बताते हुए इसकी वर्तमान स्थिति स्पष्ट कीजिए। (12+4=16)

अथवा

3 (क) संस्कृत भाषा शिक्षण में श्रवण कौशल का विकास करने के लिए रचनात्मक सुझाव दीजिए। (8)

(ख) संस्कृत शिक्षण में शिक्षण सूत्रों के प्रयोग का क्या महत्व है ? (8)

इकाई-II

4. संस्कृत भाषा शिक्षण की विधियों का वर्णन कीजिए। आप किस विधि को उपयुक्त मानते हैं और क्यों ? (12+4)

अथवा

Scanned with OKEN Scanner

5. आगमन एवं निगमन विधि का प्रयोग करते हुए 'गुण सन्धि' विषय पर एक विस्तृत पाठ-योजना तैयार कीजिए। (16)

इकाई-III

6. संस्कृत में रचना शिक्षण का अर्थ बताते हुए इसके उद्देश्यों एवं सोपानों का वर्णन कीजिए। (4 + 4 + 8)

अथवा

7. (अ) संस्कृत गद्य शिक्षण के क्या उद्देश्य हैं ? (4)

(ब) लता शब्द के द्वितीया, तृतीया एवं पंचमी विभक्ति में रूप लिखिए। (3)

(स) पितरौ तथा दशाननः का समास विग्रह करते हुए समास का नाम भी बताइए। (3)

(द) तव्यत् प्रत्यय का प्रयोग किस अर्थ में होता है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (3)

(ध) कृ धातु के लट् लकार में रूप लिखिए। (3)

इकाई-IV

8. संस्कृत भाषा में अशुद्ध उच्चारण के प्रकार एवं कारण बताते हुए उन्हें दूर करने के लिए रचनात्मक सुझाव दीजिए। (4 + 6 + 6)

अथवा

9. संस्कृत भाषा की सहपाठ्य क्रियाओं का क्या अर्थ है ? संस्कृत भाषा में आयोजित की जाने वाली कुछ सहपाठ्य क्रियाओं का वर्णन करते हुए संस्कृत भाषा शिक्षण में उनका महत्व स्पष्ट कीजिए। (4+6+6)

Scanned with OKEN Scanner